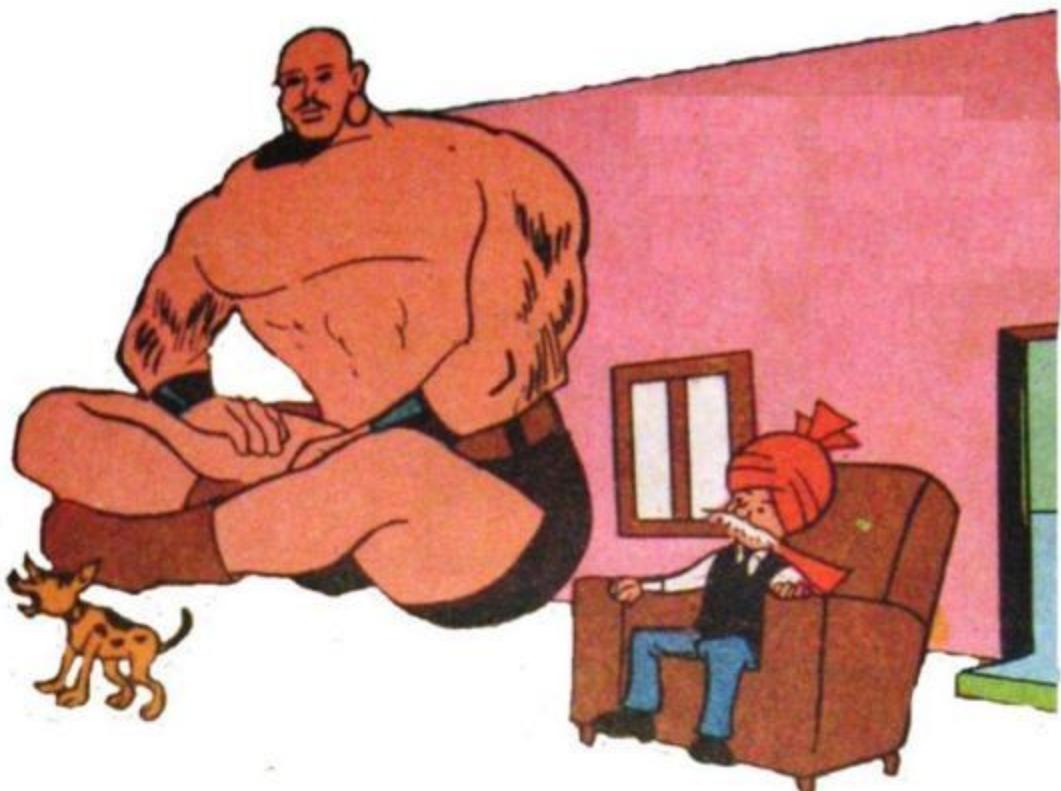




Balka Ki Vapsi



चाचा चौधरी - राका की गापसी

राका का घाचा बाकूँ.



Iq's Upload

चाचा चौधरी ने मेरे अज्ञीज भतीजे
राका को अंतरिक्ष में भेज कर उसे
मुझसे हमेशा के लिए जुदा कर दिया.
मैं उस दूहे को मार डालूँगा.

लेकिन बाकूँ! चाचा
चौधरी को मारोगे कैसे?

मैं उसे गोलियों से भूल
कर रख दूँगा.

कहना आसान हैं, करना मुश्किल. जरा
सोचो, राका, जिसने धक्कमाचार्य की
अद्भुत दवापीकर अमरता प्राप्त कर
सकी थी, वह घाचा चौधरी को मारने में
मफल न हो सका. तुम उसे कैसे मारोगे?

अगर चाचा चौधरी को मारना है तो गोजनाबद्द बड़यंत्र रचना पड़े जा।

गोशा! हैं कोई प्लान तुम्हारे पास?

हाँ, हैं। डायनामाइट से उसे उड़ा दिया जाए।



यह डायनामाइट इस कुर्सीके नीचे लगा दिया।



चाचा चौधरी को इस पर बैठा कर चाय पीने के लिए कहा जाए। और फिर ...



... जब वह चाय की चुम्बकिमांग ले रहा है, तब तुम किसी बहाने कुर्सी से दूर उस भाड़ी के पास जाकर खड़े हो जाओ। इसके दो कल्पदेह होंगे। इक तो तुम डायनामाइट में दूर चले जाओगे ...





धाचाजी! राकेट
ने ग्राम्यक मौकिना
शुरू कर दिया हैं.

साबू! कुत्ता बड़ा
सचेत जानवर हैं.

भौं!!



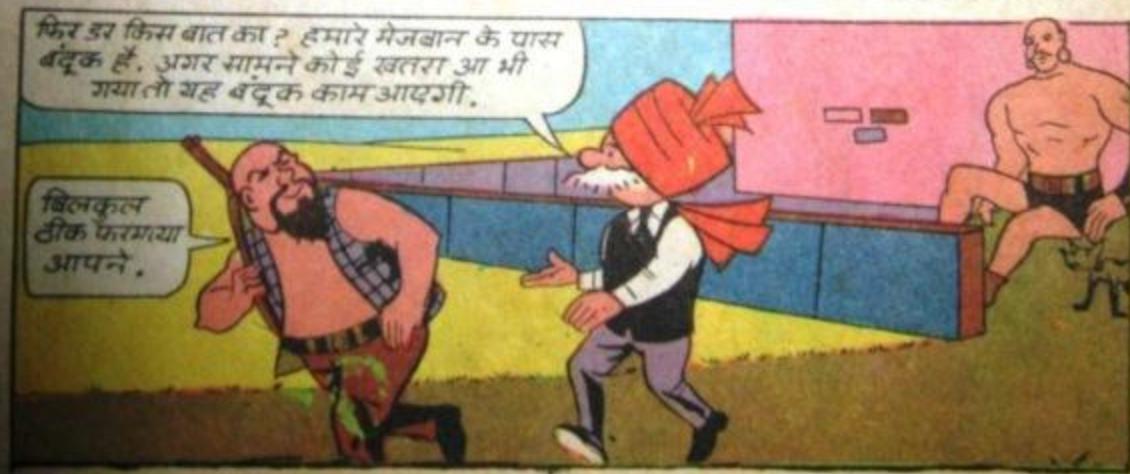
खतरे के आने की
खबर सबसे पहले
कुत्ते को ही होती हैं.

राकेट! अमद मत बनो.
आने वाले घर इस
तरह नहीं मौकिते.

भौं!

भौं!!





मैं अंदर से आपके लिए
गरम चाय ले कर आता हूँ।



मर्ज कुद्द योजनाबद्द
चल रहा है।



वाह! चाय
तो सचमुच
लाजवाब बनी है।

यह अकसर फिर कहाँ मिलेगा?
इसीं न यहाँ मेरे आपका एक
फोटो ले लिया जाए?



बग... पही मौका है.



जब बाक़ अंदर चाय लेने गया था, तब मैंने कुम्ही में लगा डायना -
माइट निकल कर दूर भाड़ी में फैक दिया था। बैठने से पहले मैंने
कुम्ही को देखभाल लिया था, दुष्प्रभाव कभी बड़ी मत करोः*



अंतरिक्ष में अपने अनुसंधान करता हुआ कार्निवल दूर-छुत घूर निकलता जा रहा है।

हम मंगल ग्रह से जो धातुओं के सम्पर्क लाए हैं, वे पृथ्वी पर बड़े उपयोगी सिद्ध होंगे।



उटोफिन ! अंतरिक्ष में दूर दूर किसी सानी की आकृति देखाई दे रही हैं.

माकेल ! तुम्हें पता है, मुझे मजाक पर्यावरण नहीं.

मजाक होता तो अच्छा था, हे भगवान ! वह राका हैं ! इसे कृष्ण वर्ष पहले चाचा बौद्धरी और साबू ने अंतरिक्ष में फेंक दिया था ताकि पूरबी के लोग चैन से जी सकें.



पूरबी का अंतरिक्ष यान ! वापस पूरबी पर लॉटने का यह सुनहरा अवसर हैं.



पर बॉस, कार्निवल का अनुसंधान कार्य अभी पूरा नहीं हुआ ?

राका बड़ा खूबार हैं, वह हमारे अंतरिक्ष यात्रियों को मार डालेगा.



इक अहम मसला खड़ा हो गया है, इसके लिए प्रेसिडेंट की इजाजत लेना ही बेहतर होगा.

तुम ठीक कहते हो.

हैलो! मैं अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र का डायरेक्टर मिस्टर प्रेसिडेंट से बात करना चाहता हूँ.

प्रेसिडेंट अभी उपस्थित हैं.

लेकिन मेरा उनसे बात करना जरूरी है, दो अंतरिक्ष यात्रियों की जान खतरे में हैं.

मैं प्रेसिडेंट को लाइन देती हूँ.

अमरीकन प्रेसिडेंट...

यदि हमारे अंतरिक्ष यात्री सही मलामत न लौटे तो यह हमारी बिल्ली उड़ा देगा, विश्व में हमारी बढ़नामी हो गी, कानिकल को फॉरम उत्तरवाओ.

धन्यवाद, मिस्टर प्रेसिडेंट!



लैंडिंग तक तक देर हो चुकी थी।

मैं जान को पकड़ने मैं कामयाब रहा।
मुझे यहाँ धिये रहना चाहिए ताकि
अंदर के आदमी मुझे न देख सकें,



कैप्पस्ल अलग हो रहा है, इसका
मतलब है कि जान के यात्रियों का
पूर्वी पर लौटने का प्रोग्राम है। अगर
यह माँका पूर्क गया तो मैं कभी वापस
पूर्वी पर नहीं पहुंच सकूँगा।



पूर्वी कैप्पस्ल से वापस आने का
आदेश आया है, कैप्पस्ल
को मैंने जान से अलग
कर दिया है।

ठीक! राका
मी तुम्हारा नहीं
दिखाई दिया।

हिन्द महासागर...

कैप्पस्ल से-
की सदी
सही उत्तरा है।

यह कैप्पस्ल के
पीछे मैंने कोई
चिपकनी हड्डी
चीज देखी है।

U.S. NAVY

यह तुम्हारा
वहम है।

मारा जहाज
लों लेने के
सिव सॉल्वर हैं.

धार में परिवार के
सदस्य हमें मिल
कर सुशा होंगे.

और अमरीकन जहाज टोनों अंतरिक्ष
यात्रियों को ले कर धल दिया.

तीसरा यात्री जिसे अमरीकन जहाज लीटे थोड़ गया...

आह! बहुत दिनों बाद पानी देखा. पृथ्वी से
दूर रह कर इसकी महत्वता पता चलती है.

मेरी बाल ! अभी
पकड़ कर लाता हूँ.



मेरा बेटा! बचाओ!



फिल्म मर्टिंग की बोकेशन .

दृश्य हैं - हीरोइन नाताशा ममुद्र में तरने जाएगी मगरमच्छ उसे स्वाने को आयगा . तब किनारे पर पूमता दुआ हीरो हीरोइन की गीर्खें मुन कर ममुद्र कह चढ़ेगा , फिर मगरमच्छ को मार कर हीरो हीरोइन को मुरक्कित तट पर ले कर आ जाएगा .



वाह ! हीरोइन नाताशा कितनी खूबसूरत हैं , अगर मैं इसको उठा कर माथे ले जाऊं तो ?



बदल मीज ! यह डायलाग दृश्य में नहीं हैं .

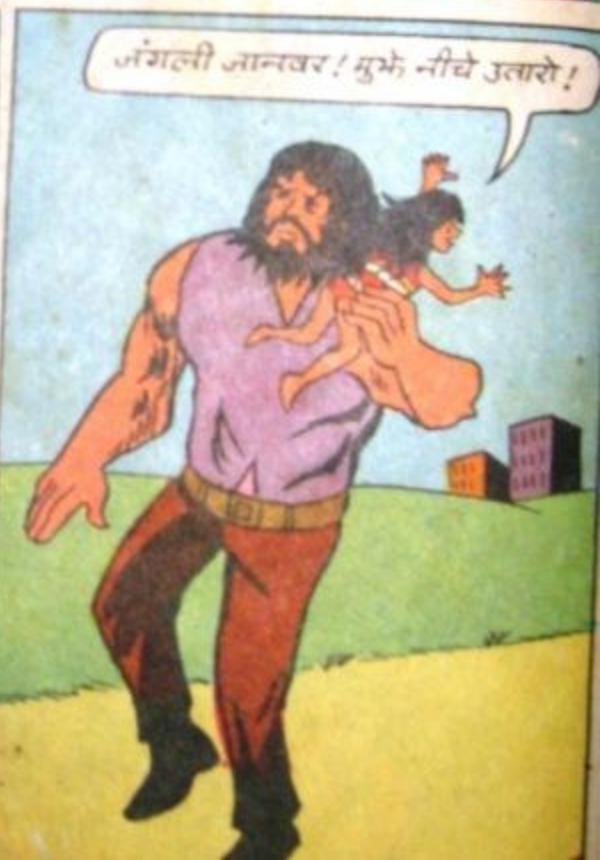


तरबूज ! तूने राका को बदल मीज कहा ? अब देसा सीन होने जा रहा हैं जैसा तूने पहले कभी नहीं फिल्म माया होगा .



रहन्म ! मुझे बख्ता दो बरना यह फिल्म अद्वृती रह जाएगी .





बचाओ !
बचाओ !!

जीप रोको !





दोंगे घोंगे

ओह! बस की
बैंकें फेल हो गईं!



धड़ाक

ओह! यह
क्या हुआ?

बस दफ़्तर किशालकारा
आदमी से टकरा गई है.

बस खड़ी
हो गई है.

मुझे दफ़्तर
पहुँचना था.

अब क्या होगा?



नालायक! तुमने मेरा
पैर कुचल दिया!

ओह! बच्चा ओ!

बड़ा आदमी
गुज़रे में है.

भागो!





जानबचाओ!









मेरे दादा मरहम नवाब अजजाऊ टौला के यहां बजार थे, उन्हें अजीबोगरीब कींगे इन्दूठी करने का शोक था.

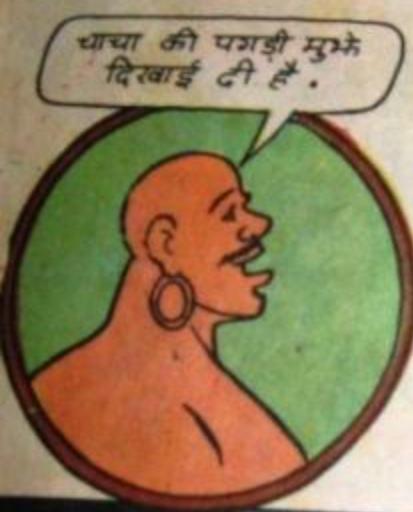


इसी शोक में उन्होंने एक भूलभुलैयां महल बनवाया, यह आदमी की अकल परखने का एक तरीका है, आम आदमी इसके अंदर घुसकर एक हृष्टे से पहले बाहर नहीं निकल सकता, पचास माल पहले एक ग्रोपियन दार्शनिक को भी अंदर घुम कर बाहर आने में दो दिन लग गय थे, यह आधी तक विश्व-रिकाई है.



शाफ़्ताक ! मुझे कोई रिकाई नहीं तोड़ना पर इस भूलभुलैयां महल को एक बार देखने की मेरी उत्तमुक्ता बढ़ गई है.





अब यहाँ ने मेरा मार्ज-प्रदर्शन किया, आगे अट्टगी महल के आदर निकलने वाले धूपे में घबरा कर दूर भागता है, मैं उसी तरफ भया लियर से घना धूपां आ रखा। बाहर निकलने का दरवाजा धूपे के पीछे ही था।

खबरों का समय हो गया है, मुझे प्रक्रिया ट्रॉनिस्टर पर खबरें मुनना अच्छा लगता है,



यह विविध भारती है, खुलंगारा गाका जिसे कुछ समय पूर्व अंतरराष्ट्र में मटकने के लिये छोड़ दिया गया था, पृथ्वी पर वापस आ गया है। उसने आते ही मारकाट बहुकर दी है, अभी तक यद्याम् यकि कर्त्तव्य किया जा चुके हैं और वह करोड़ों रुपये मूल्य की सम्पत्ति नष्ट कर चुका है...



एक कुचले दूष मांस की तरह
राका हमसे बढ़ला लेने
के लिए तड़प रहा होगा.

लाल पगड़ीवाले! मच्चमुख
तुम्हारा दिमाग दूर की गोवता है.



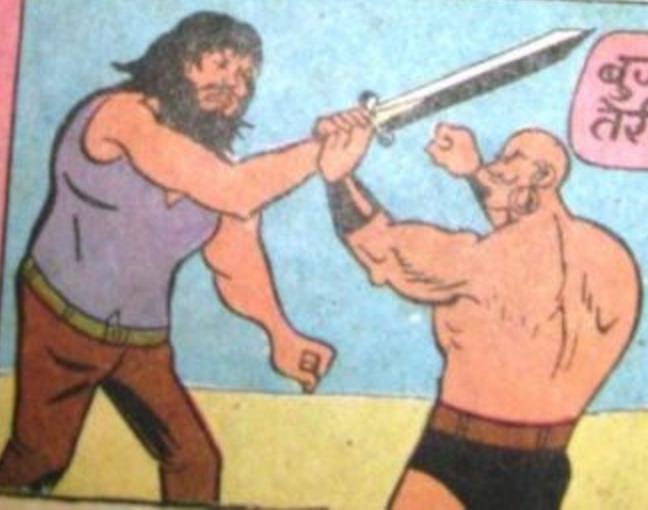
जब तक तुम जिंदा हो मुझे खतरा
बना रहेगा कि कहीं फिर अंतरिक्ष
में प्रटकने के
लिए थोड़ा दिया जाऊँ.

इसलिए तुम
खत्म करना
जरूरी है.

खटक

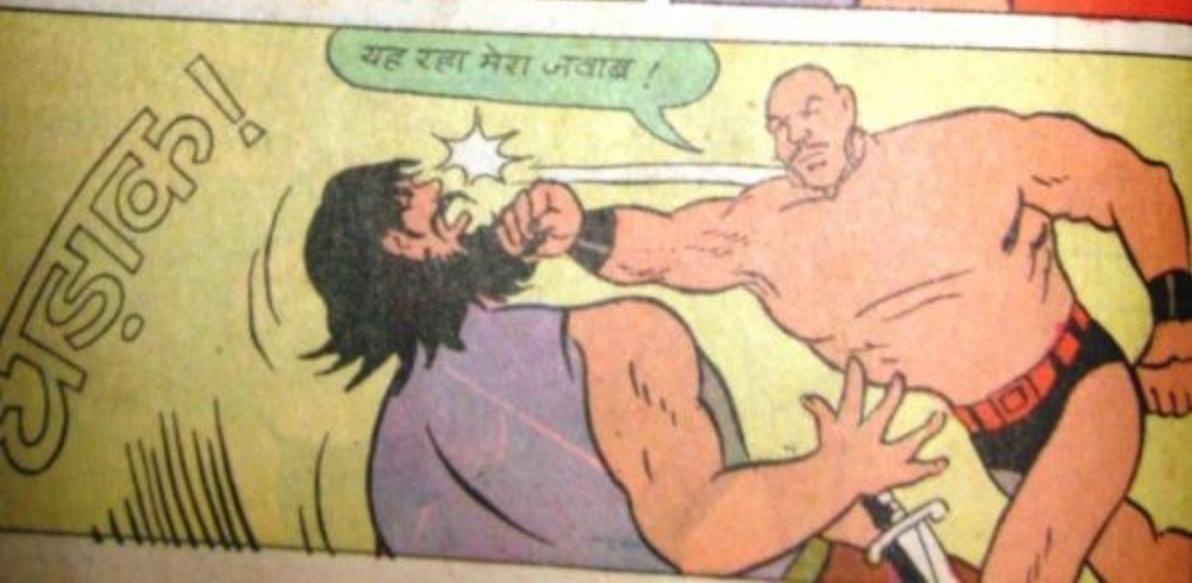
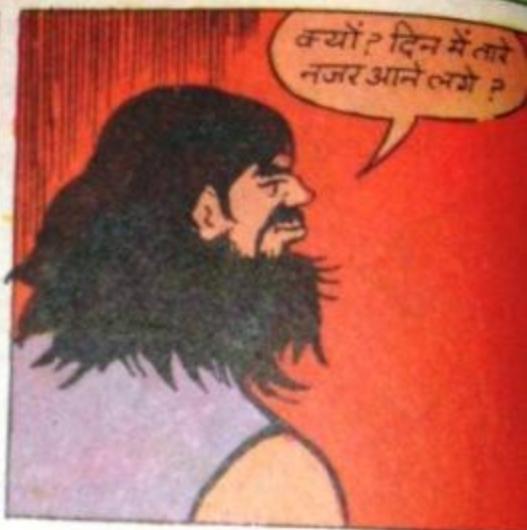


बुजदिल बकरे!
तौरी यह हिम्मत!



क्या तुम पहले
मरना चाहते
हो? ठीक है.

तड़ाक



मुझे गजा पर कार्यूला
नं. 444 अफसाना पालिय,

भाई बौद्धरी ने जमीन से
एक पाल्घर उठाया और ...

तड़ाक

भूह! कंकड़ मारता है?



तुम दोनों दूक-दुसरे को बचाना
चाहते हो. लेकिन मैंने तय कर
लिया है, पहले बौद्धरी किर साबू.



कहाँ तक मागोगे? आखिर मेरी
तलवार को तुम्हें खून देना पड़ेगा.



लाल पगड़ी वाले! अब धिर
गय. इस महत्व के अंदर
ही मैं तुम्हें मार डालूँगा!



ओह/ धुआं!

कहां गायब हो गया वह
लाल पगड़ी वाला?



मैं उसे भ्रूल भुलेंगा महल में
मटकने के लिए छोड़ आया.

इसमें क्या होगा?



वह कभी न कभी बाहर निकलने का रास्ता
हूं ही लेंगा. बाहर आते ही वह दोगुने जोर-
जार से मारकाट व तोड़फोड़ शुरू कर देंगा.

जिस आदमी में ताकत ज्यादा
होती है, उसमें अकल कम होती है.
गरा को महल में बाहर आने में वार-
पांच दिन अवश्य लग जाएंगे. तब
तक हम उसे हमेशा के
लिये ठिकाने लगाने का
हल निकाल ही लेंगे.

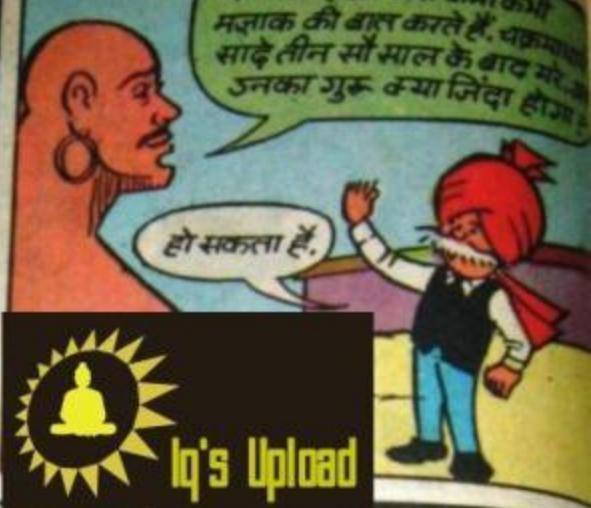




कोई भी व्यक्ति दुनर को येदायत्री
मीरव करनहीं आता। उसका कोई न
कोई गुरु जरूर होता है।



धार्याजी! आप भी कभी कभी
मजाक की बात करते हैं। यक्षम
साकेतीन सौ माल के बाद मरे
उनका गुरु क्या जिंदा होगा।



धक्कमाचार्य के गुरु की
इस अवश्य अपने
चेले में ज्यादा होगी।



जहां याहू,
वहां राह है।



स्वर्गीकारी राजवंश
चक्रमाचार्य के
नौकर तुलसी ने
हबेली का
दरबाजा खोला.

बाबा, कहीं और जाओ, यहाँ
में दवाई नहीं मिलती, क्या
तुम्हें पता नहीं कि आचार्यजी
को मरे अरसा हो गया है?

हम इलाज कराने नहीं आद, चक्रमाचार्य बहुत
तजुर्बेकार देश थे, जानते हो, उनके गुरु कौन थे?

कभी कभी आचार्यजी बात किया
करते थे कि उनके गुरु-वज्रदेव
किन्हीं धने जंगलों में रहते हैं.

गुरु?

हिमालय के घने
जंगलों तो नहीं?

हाँ, वही! वही!

मग! इतना काफी है, बाकी काम हम सुनु कर लैंगे.

अरे साहब, बैठिय ! बादाम का डाढ़त पी कर जाइये.

नहीं यक-यक मिनट की मत्ती है. राका के भूलभूलेंगो से निकलने से पहले गुरु वज्रदेव को ढूँढ निकालना है.



हिमस्थ के जंगलों
की तरफ ...

बाच्चाजी, पगड़ी का
रुपाल रखिये, कही
उड़ न जाए .



जंगल बहुत बड़ा है, हम
कहां कहां स्थोरते फिरेंगे?

नहीं! हमें वज्रदेव
को अवश्य स्थोरना है.







शेर को धोड़ दो !

माबू ! शेर को
नीचे रख दो .

जीव जन्मतुओं को
मारना अद्यता
नहीं, ये कुदरत
की देन हैं .

आप
कौन ?

यह मवाल तो मुझे
पूछना चाहिए, मेरे
पर मैं घुस पैठिए
कहाँ मे आए ?

मुझे सिंघलि को सम्प्रालना चाहिए ।

बैद्यराज धक्कमाचार्य मेरे पित्र हैं,
हम उनके गुरु भी वज्रदेव
को यहां दूर्दाने आये हैं ।

धक्कम के पित्र ?
तब तुम ठीक
अगह पर पहुँच
गये, मैं ही
उमका गुरु हूँ ।

मैंने धक्कम में कहा था कि शाहर
को धोड़ और यहां प्रवृत्ति की
गोद में आकर बस जा, लेकिन
वह नामाकूल धक्ककर खा गया.
उसका नतीजा क्या हुआ ?

लेकिन फिर भी आचार्य साटे-
तीन सौ माल से ज्यादा जिये ।

बहुत छोटी उम्र में मर गया छेचारा !

छोटी उम्र ?

बाबा ! आपकी आयु कितने
माल की होगी ?

पता नहीं, हजार के बाद
मैंने गिनना धोड़ दिया ।

अगर आदमी प्राकृतिक वातावरण में रहे तो उनकी उम्र जी मरता है। हमारे कौरव-याण्डियों में जो बल था, वह आज कहां? शहर में कैबिट्यों का धुआं और ट्रक-बसों का शोर गुल मारे वातावरण को दूषित कर रहा है। इसान को शहर से खाए जा रहा है।



शहर के निवासियों को अंदर से द्वेष और ईर्ष्या खोखला किया जा रही है। ऐसी हालत में आदमीलम्बी उम्र केंद्रों जी मरता है।

तुम पहले शहरवासी ही जिसे मैं छूट-पूछ देख रहा हूँ।



बाबा, सबूज-पिटर का प्राणी हैं। वह पूरी पर आया था और यहां का हो कर रह गया।



हेर! तुम महां आने का आपना मकानद बताओ.

धक्कमाचार्य ने दूक
दवाई का आविष्कार
किया था जिसे पीने से
इंगान मौत से
मुक्ति पा लेता है.

वह अद्भुत दवाई एक स्वर्वाह डाक
राका के हाथ लगा गई. उसे पीकर उस
दरिंदे ने मंसारभर में
जाहि जाहि मचा दी है.

उस दवाई के असर
को स्वत्म करने का नुस्खा
धक्कमाचार्य के पास था या
फिर आपके पास होगा.

हिमालय में ऐसी जड़ी-बूटियां हैं जो उस
दवाई के असर को खंडित कर मकंती हैं
और राका मर सकता है पर उन जड़ी-
बूटियों की प्रक्रिया करके दवा में परिवर्तित
करने में कड़ वर्षों का समय चाहिए.

तब तक राका पूरे विश्व को स्वत्म कर
चुका होगा. हमें उसे तुरंत रोकना है.

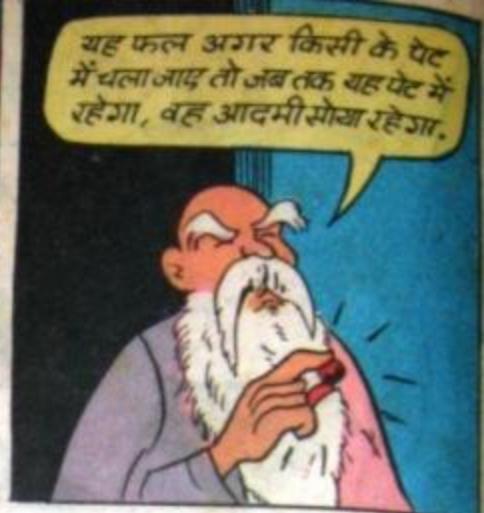
इसमें तो घर मारार्ह देखी
दवाई का आविष्कार न
करते तो अच्छा था.

मालू ! मधु में काम
लो. अभी हमने नहीं लड़ाई
हारी नहीं है.

बाबा ! राका को एक आम आदमी की तरह
भरव लगती है, प्यास लगती है, नींद आती है
और चोट लगने पर उसे दर्द श्री होता है. जर्ज कि
उसमें मारी प्रतिक्रिया होती है, सिर्फ वह मरनहीं गकता.

अगर हम उसे
मारनहीं गकते तो
उसे अनंतकाल
तक के लिए
मुत्ता तो गकते हैं.

तुम्हारी
बुद्धि बड़ी
तीक्ष्ण है.



जागा गोपी ने वह जंगली
फल जेक में डाल लिया।

साकू! हमें फालतू बातों में रक्त
दबाद करने की बजाए गापस धुलना
गालिय, यह फल राका को अनंतकाल
तक सुला देगा, इसमें पुभे शक नहीं।



लेकिन अगर यह जंगली फल
राका के पेट में किसी तरह बाहर आ
गया तो वह फिर से उठ खड़ा होगा।



नहीं, यह फल पेट में
जाते ही राका मोजाएगा,
सोये हुए और मरे हुए
आदेमी में सिर्फ सांस
का ही फर्क होता है।



जाचा दौधरी ने जंगली फल
जेवा से निकाला और
माबू की तरफ उधाल दिया।



तेजिन गोने के
बाद मीहारे अंदर
की बड़ुत मी
प्रक्रियाएं जारी
रखती हैं, आगर
राका इस जंगली
फल को हट्टम
कर भवातो?



जरा हाथ से इसे
तोड़ने की
कोशिश करो।

माबू ने जंगली
फल को हाथ
में ले कर
दबाना चाहा,

यह तो पलथर से
मी ज्यादा सख्त है।

वस! जब तुम सघेतन
इसे नहीं तोड़ सकेते तो
सोचा हुआ राका इसे
क्या हज़म करेगा?



हिमालय की ओपर तम सम्पति में से कृष्णने यह हीरा हमें दिया हैं, जब तक यह राज्य के पेट में होगा वह सभ्या रहेगा, जब तक राका सोगा रहेगा, मंसार मुख धैर में रहेगा।



मेरी गम्भीर में आ गया,
यह फल सम्भालिय.



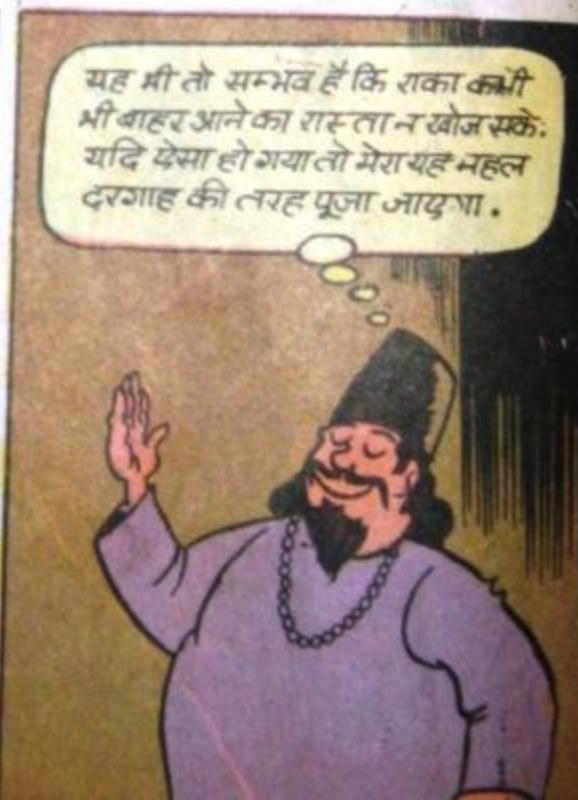
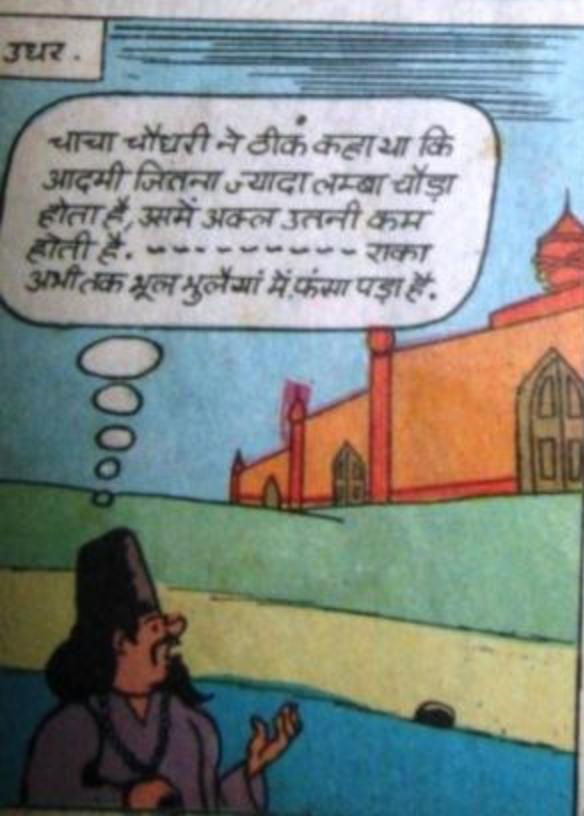
अब क्या करें? आगे
रास्ता खत्म है.

नीचे गहरी
नदी बह रही
है. कूद जाओ!

जय बजरंग बली!



Iq's Upload





कहाँ हैं वह युहा जो मुझे उम महल
में गुपराह करके आ गया था ?



याच्या घोषणी और साबू कहाँ हैं? कई दिन तक
में श्रवा प्यासा उस इमारत में भटकता रहा।

मुझे नहीं पता
कि वे कहाँ हैं?



ऋण!

खटाक!



दुनियावालो! ये तलवार
तब तक तुम्हारे सिर
काटती रहेगी, जब तक
तुम याच्या घोषणी
और साबू को मेरे
हवाले नहीं कर देते।

जब तक मैं उन्हें
खत्मन कर दूँ,
मैं भैं नहीं ढैरूंगा।



दाम का आतंक इक
बार मिस्र फैलने लगा.

मुझे छोड़ दो.



पुल गिराये जाने लगा...

रेले
पटरियों
से उतरने
लगीं।



राका जिधर से गुजरता गया
लाशों बिट्ठती चली गई.



पाकिस्तान आर्मी का चीफ आफ़ स्टाफ़...

यह हिन्दुस्तान की हमारे मुल्क के खिलाफ़
साजिश हैं। यहाँ इनमा डेसान ग्रहा मारकाट और
बदअग्नी फैलाने के लिए भेजा गया है।





महबूजा आदमी अभी मी
लिंदा हैं, किर मे अटेंक!



गरड़ इड़!!



यहाँ ताकत की नहीं,
डिप्लोमेसी की ज़मरत है.



इस जनरल के
तरकीब अच्छी
बताई हैं।

तुम्हें जिस आदमी की
तलाश है, उसकी बीवी को
पकड़ लो। वह बीवी को
दुड़ाने भागा आएगा।



जनरल! तुम
इनाम के
हकदार हो।

हमारे शिपाही तुम्हें
वायम बाईर
पर धोड़ आयेंगे।

वायर के बायर
मारहट के पार
पहुंचा दिया गया।

मुसीबत टली, नहीं तो
पता नहीं इस शौताल ने
हमारे मुळक क्ष कितना
नुच मान करना था।

वह... अब आगे चाचा चौधरी
का घर दूँदना मुश्किल नहीं।



चाचा चौधरी के घर पर...

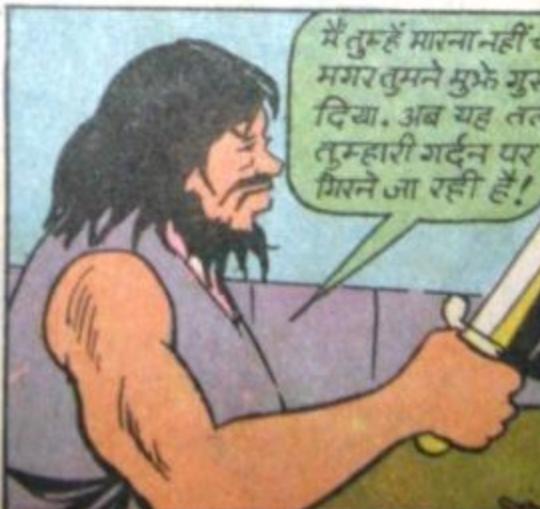
मैं पहचानता हूँ.
यही हैं वह।

दे औरत! राका
तुम्हें लेने आया है।

यह देखा है? इमने
शहर के कई मजनुओं
की खोपड़ियां
पिलपिली कर दी हैं।



मैं तुम्हें मारना नहीं चाहता था,
मगर तुमने मुझे गुस्सा दिया
दिया। अब यह तलवार
तुम्हारी गर्दन पर
गिरने जा रही है!



बुजदिल ! तुमने बाबी के साथ
गुस्ताकी की?

हम ठीक
समय पर
पड़ुंच गए.

बुजदिल ! जो मासूम अपनी रक्षा
नहीं कर सकते, उन्हें कात्तल करते
हुए तुम हें शर्म आनी चाहिए। तुम्हारे
पाप का स्वाता पूरा हो चुका है।

जब साबू को मुर्झा
आता है तो
ज्वलामुखी फटता है।



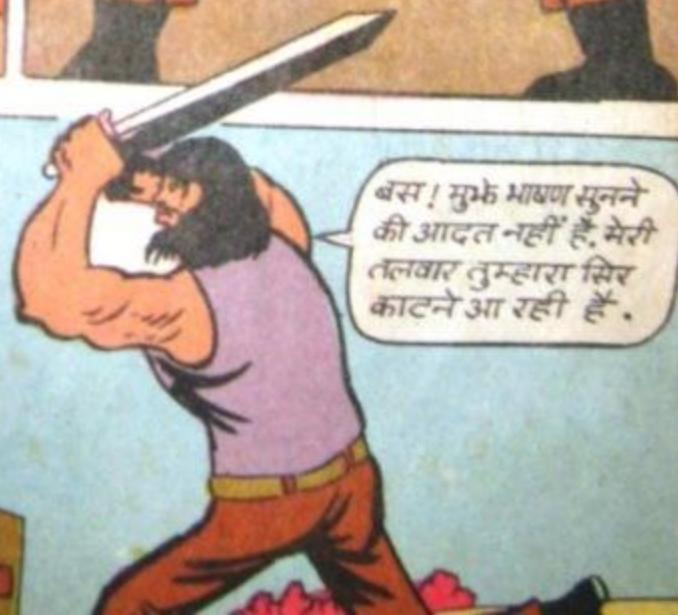
मुझे इस है कि कहाँ तुम अपने बलड प्रेशर से ही न मर जाओ
और मैं दूसरे मारने के लुटक मे ही बीचिल रह जाऊँ।



राका ! तुम मिर्फ नादान, अस्महाय
लोगों को मारना सीखे हो ।



और राका ! हिटलर
जैसे जालिम लोगों
का अंजाम रखा हुआ
था, तुम जानते होगो ?



बस ! मुझे माध्यन मुनने
की आदत नहीं है, मेरी
तलवार तुम्हारा सिर
काटने आ रही है ।

छड़ाम!



तुम्हारी ताकत का धमण्ड मुझे लोड़ना पड़ेगा।



स्टाक!





राका की तहवार गिरने पर
मादू मे उसे अपनी जंक है
मे ले लिया और पूरी
ताकत मे अपना दबाव
देना . राका कराह उड़ा.

आह !



यही मैंका है
इस दृश्य को दिय
चिरामेंद्रा फल
को इस्तेमाल
करने का.



और चाचा चौधरी
ने निशाना बांध
कर जो निप्राफल
फेंका तो वह सीधा
राका के मुह मे गया.



ओह ! मेरे
द्वारा मैं क्या
गया ?

रमगुल्ला !

यह लाल पंझड़ी वाला बहुत
चालाक हैं. मेरे अंदर जो भी
चीज गई हैं, उसमें जरूर कोई
कारस्तानी हैं. अब इसको
मारना ज्यादा जरूरी हैं.

अगर बज्रदेव के
निद्राफल का असर
न हुआ तो ?

कहाँ तक भागोगे ?
इस बार तुम मौत से
नहीं बच सकते ।



पिर गए ! वस छक हाथ
और काम तमाम !

Iq's Upload



तभी.

आह !



नींद ! प्यारी नींद !
त कहाँ धी ? बरसों से नहीं सोजा मैं !





